PAPER -1 ANSWER KEY

SAARTHI08.DEC.18

सारथि एकेडमी

RAS MAINS TEST SERIES 2018

PAPER –I GENERAL KNOWLEDGE AND GENERAL STUDIES

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित है।

1. रोम नोट ?

उत्तरः– बीकानेर के महाराजा गंगासिंह के द्वारा 1917 में भारत सचिव को भेजे स्वराज प्रदान करने व देशी राजाओं के संघ के निर्माण संबंधी सुझाव रोम नोट कहलायें।

2. गरदड़ा (बूँदी) का क्या पुरातात्विक महत्व हैं ?

उत्तरः–बूँदी स्थित इस स्थल पर राजस्थान में आदि मानव द्वारा की गई गुफा पर चित्रकारी के साक्ष्य मिलते हैं।

3. पूना पैक्ट ?

उत्तरः–26 सितम्बर 1932 को महात्मा गाँधी व भीमराव अम्बेडकर के मध्य हुआ समझौता पुना पैक्ट हैं। जिसके तहत अम्बेड़कर नें दलितों के पृथक निर्वाचन क्षेत्र के प्रावधान को समाप्त किया गया व विधानमण्डल में दलितों के लिए 72 सीट से बढ़ाकर 148 की।

4. ब्रह्मा समाज व आर्य समाज में मूल अंतर स्पष्ट करें ?

ब्रह्मा समाज	आर्य समाज
☞ वेदों व उपनिषदों की महत्ता स्वीकारी।	वेदों को ज्ञान का स्त्रोंत माना।
☞ हवन व यज्ञ को बाह्य आडम्बर माना।	हवन व यज्ञ आवश्यक माना।
☞ पाश्चात्य विचारधारा से प्रभावित।	स्वदेशी संस्कृति को महत्व ।

5. प्रार्थना समाज के प्रमुख सिद्धांत बताइयें?

उत्तरः–आत्माराम पाण्डुरंग द्वारा प्रतिपादित, एकेश्वरवादी, संप्रदाय, मूर्तिपूजा का त्याग इसकी प्रमुख विशेषता थी। अवतार वाद को स्वीकार किया।

6. भारत के एकीकरण में आने वाली प्रमुख बाधाएँ क्या थी ?

i. जूनागढ़ रियासत का नवाब इसे पाकिस्तान में सम्मिलित करवाना चाहता था, अतः जनमत संग्रह करवाया।

ii. हैदराबाद का निजाम संप्रभुता बनाये रखने के पक्ष में था, अतः सैन्य कार्यवाही की गई।

iii. जम्मू-कश्मीर की समस्या

7. राधाकृष्णन आयोग ?

उत्तरः–1948 में विश्वविद्यालयी शिक्षा के संबंध में गठित आयोग जिसकी प्रमुख सिफारिश में विश्वविद्यालय से पूर्व 12 वर्ष की शिक्षा, उच्च शिक्षा के तीन उद्देश्य (सामान्य, सरकारी, व्यावसायिक), एक महाविद्यालय में अधिकतम 1000 छात्र व यू.जी.सी. का गठन सम्मिलित थे।

8. "1946 के अंत तक अंग्रेजो को वापसी सुनिश्चित लगने लगी।" टिप्पणी कीजिए।

उत्तरः–1946 के अंत तक अंगेजो को वापसी सुनिश्चत लगने लगी क्योंकि राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन अपने चरम पर पहुँच चुका था। आजाद हिन्द फोज के युद्ध बंदियों के प्रति सैनिको का समर्थन व भारतीय शाही सेना के नाविकों के विद्रोह जैसी घटनाओं नें इसे अधिक स्पष्ट कर दिया। नौकरशाही व अंग्रेज भक्तो का मनोबल गिरने लगा व समझौते दमन की ब्रिटिश नीति का सीमाकरण हो गया। इस प्रकार आंतरिक शासन चलाना ब्रिटिश के लिए असंभव होता गया।

9. 1857 के विद्रोह में राजस्थान के साहित्यकारों व कवियों के योगदान का उल्लेख कीजिए ?

उत्तरः– 1857 के विद्रोह में राजस्थान के साहित्यकारों व कवियों के योगदान का विशेष योगदान रहा। इन्होंने समाज के सभी वर्गों में अपने गीतों व लेखन के माध्यम से चेतना का संचार किया। कवि बाँकीदास ने अपनी कविताओं के माध्यम से शासकों के दासत्व की प्रवृत्ति को धिक्कार। जनता को जागरूक करने के लिए "आयो अंग्रेज मूलक रै ऊपर" जैसी कविताओं का प्रयोग किया। सूर्यमल्ल मिश्रण द्वारा अपने ग्रन्थों "वीर सतसई" आदि के माध्यम से अंग्रेजों के विरूद्ध ऊर्जा का संचार किया। डुगरपुर के कवि दलजी व कई अन्य चारणों व भाटों द्वारा क्रांति के नायकों के प्रशसात्मक गीत गा कर जनसाधारण को उत्प्रेरित किया।

10. बटलर समिति पर टिप्पणी कीजिए ?

उत्तरः- देशी रियासत संबंध समिति का गठन 1927 में देशी रियासतों व ब्रिटिश सत्ता के मध्य पारस्परिक संबंधों को परिभाषित करने एवं परमसत्ता की अवधारणा की व्याख्या करने के उद्देश्य से किया गया। यह बटलर समिति के नाम से जानी गयी। इस समिति के द्वारा परमसत्ता को समय के अनुसार परिवर्तनशील बताया गया। स्पष्टतः यह समिति असफल रही।

11. भारतीय सामाजिक व धार्मिक सुधार आंदोलन की सीमाएँ लिखिये?

- ☞ युरोपीयन पुनर्जागरण की तरह भारतीय सुधार आंदोलन को वैज्ञानिक अन्वेषण का समर्थन प्राप्त नहीं हुआ। इसकी मुख्य अभिव्यक्ति धर्म दर्शन के क्षेत्र में ही थी।
- ☞ सुधार आंदोलन की दृष्टि अतीतोन्मुखी थी।
- ☞ सुधारकों ने वेदों की परम्परा पर अत्यंत बल दिया। इस तथ्य से क्षुद्र व निम्न वर्ग के लोगों को प्रभावित नहीं किया जा सका।
- ☞ अधिकाशः सुधारकों की दृष्टि में आधुनिकीकरण का अर्थ पश्चिमीकरण था।

12. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में उग्र विचारधारा समर्थक क्रांतिकारियों का योगदान स्पष्ट करें ?

उत्तरः- उग्र विचारधारा रखने वाले दल ने राष्ट्रीय आंदोलन के सामाजिक आधार का विस्तार किया अर्थात् निम्न मध्यम वर्ग को भी आंदोलन का हिस्सा बनाया। इन्होंने प्रार्थना व प्रतिवदेन की राजनीति को अस्वीकृत किया एवं राष्ट्रीयता की भावना को मजबूत किया। इससे 'भारतीय जनता आंदोलन के लायक नहीं' की अवधारणा परिवर्तित हुई। उदारवादी चरण में गाँधीवादी आंदोलन का आधार तैयार हुआ।

13. "भारत में सम्प्रदायतवाद इतना ही पुराना है, जितना कि औपनिवेशिक शासन" टिप्पणी कीजिए ?

उत्तरः- सम्प्रदायवाद भारतीय समाज का मूलभूत हिस्सा नहीं था। मध्यकालीन भारत में दो धार्मिक समूह थे किन्तु सम्प्रदायवाद का प्रारंभ 1906 ई में मुस्लीम लीग के गठन, अंग्रेजों की फुट डालने की नीतियों के तहत 1909 ई. के मार्ले-मिण्टो अधिनियम, 1910 ई के अहरार आंदोलन, 1916 ई. के लखनऊ समझौते, 1910 के खिलाफत आंदोलन व 1929 में जिन्ना के द्वारा 14 सूत्र जैसी घटनाओं से अस्तित्व में आयी। यह 1937 के चुनाव के बाद चरम पर पहुँची, 1940 में द्विराष्ट्र सिद्धांत में परिवर्तित हुई जिसे अगस्त प्रस्ताव, क्रिप्स मिशन व वेवेल योजना के माध्यम से अंग्रेजो द्वारा प्रोत्साहित किया।

14. राजस्थान में ब्रिटिश काल में आधुनिक शिक्षा के विकास क्रम को समझाइयें ?

उत्तरः- राजस्थान के ब्रिटिश संरक्षण में जाते ही अंग्रेजों द्वारा इन क्षेत्रों को अपने सांस्कृतिक प्रभाव में लेने की प्रारंभ कर दिया। 1813 के चार्टर एक्ट से ईसाई धर्म प्रचारको को भारत में प्रचार की अनुमति मिली व निशुल्क शिक्षा के माध्यम से प्रचार हुआ।1819ई. में अजमेर व केकड़ी में विद्यालय की स्थापना की गई। अजमेर में सन् 1836 में प्रथम अंग्रेजी विद्यालय स्थापित किया गया, जहाँ छात्रों को निशुलक शिक्षा उपलब्ध में करवाई गयी। 1867ई. में जयपुर में नोबल्स स्कूल, 1875 में जोधपुर में पायलट नोबल्स स्कूल जैसी शिक्षण सस्थाओं की स्थापना कर सांस्कृतिक अंतराल को समाप्त करने का प्रयास किया। 1875 ई. में अजमेर में मेयो कॉलेज की स्थापना की व पश्चिमी मान्यताओं के प्रति श्रद्धा का भाव भरा जाने लगा। जयपुर में महाराजा स्कूल व मेवाड़ में शंभुरत्न् पाठशाला जैसे कई शिक्षण संस्थान 19वीं सदी के अंत तक खोले गए। 20वीं सदी में यूरोप में बह रही उदारवादी विचारधारा से भारतीय इन शिक्षण सस्थानों के माध्यम से परिचित हुए व समाज सुधारों को प्रोत्साहन प्राप्त हुआ।

15. स्थापत्य के क्षेत्र में महारणा कुम्भा के योगदान पर प्रकाश डालिए ?

उत्तरः- महाराणा कुंभा के समय स्थापत्य कला अपने स्वर्णकाल में थी। इन्हें मंडन, जैता, नाथा जैसे प्रसिद्ध वास्तुविद् की सेवायें प्राप्त थी। इन्होंने नागर शैली के ऊँचे शिखर युक्त मंदिरों का निर्माण करवाया जो धरातल से ऊँची पीठ पर स्थापित हुए। कुंभश्याम मंदिर, शृंगार चंवरी, रणकपुर मंदिर, इत्यादि महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। इस समय कई मंदिरों का जीर्णोद्धार भी करवाया गया।

कुंभा ने परम्परागत दुर्ग स्थापत्य में सामरिक व सुरक्षा संबंधी तत्वों का समावेश किया। इनमें रथों के प्रवेश योग्य मार्गों, शाही आवास, सैन्य आवास, जल व्यवस्था मंदिर, गोदाम, इत्यादि निर्मित किये गये। इसका सर्वोत्तम उदारहण कुंभलगढ़ दूर्ग है, इसके अतिरिक्त अचलगढ़, बदनौर दुर्ग महत्वपूर्ण हैं। 'वीर विनोद' में राजस्थान के 84 दुर्गों में से 32 का श्रेय महाराणा कुंभा को दिया गया हैं।

इसके अतिरिक्त कुंभाकालीन उत्कृष्ट स्थापत्य नमूनों में विजय स्तम्भ (हिन्दू मूर्तिकला का अजायबघर) किर्ती स्तम्भ (सात मंजिला) इत्यादि सम्मिलित हैं।

16. औद्योगिक क्रांति के प्रभाव का विस्तार से उल्लेख कीजिए ?

उत्तरः–औद्योगिक क्रांति ने मानव जीवन के प्रत्येक पहलू को प्रभावित किया, जिनमें कुछ प्रभाव तात्कालिक एवं कुछ दूरगामी थे। इसने मनुष्यों को शोषक एवं शोषित में विभाजित कर दिया व घरेलू उत्पादन प्रणाली नष्ट हो गई। बेरोजगारी से शहरो की ओर पलायन बढ़ा, समाज के नैतिक बंधन ढीले होने लगे व अपराध वृत्ति बढ़ी। शहरों की बढ़ती आबादी ने आवास, पेयजल, यातायत व सफाई जैसी समस्याओं को जन्म दिया। मध्यमवर्ग की आमदनी बढ़ी व इन्होंने स्वयं के हितों के अनुसार कानून निर्माण करवाया। मजदूर वर्ग दशा अत्यंत दयनीय हुई जिसके फलस्वरूप मजदूर संगठन बने। उत्पादन बढ़ने से जीवन स्तर बढ़ा व उपभोगवाद का दौर प्रारंभ हुआ। औद्योगिक क्रांति का दूरगामी परिणाम साम्राज्यवादी प्रतिस्पर्धा के रूप मे सामने आया। इसी के साथ राज्यों के कार्य में वृद्धि हुई व लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा ने जन्म लिया। इस प्रकार संपूर्ण पश्चिमी युरोप को औद्योगिक क्रांति ने गहनता से प्रभावित किया।

17. साइमन कमीशन रिपोर्ट व नेहरू रिपोर्ट के प्रावधानों में मुख्य अंतर क्या था ?

साईमन कमीशन रिपोर्ट	नेहरू रिपोर्ट
i. भारत को औपनिवेशिक स्वराज्य शीघ्र देने की सिफारिश नहीं की गयी थी।	**i.** भारत को औपनिवेशिक स्वराज्य अतिशीघ्र देने की सिफारिश की गई।
ii. केंद्र एवं प्रांतों में उत्तरदायी शासन की स्थापना का विरोध किया गया।	**ii.** केंन्द्र व प्रान्तों में उत्तरदायी शासन की स्थापना को सिफारिश की गयी।
iii. गवर्नर-जनरल के अधिकारों में कोई कमी नहीं की गई।	**iii.** गवर्नर-जनरल को केवल संवैधानिक प्रमुख का स्तर दिया गया।
iv. साम्प्रदायिक आधार पर चुनावी व्यवस्था को जारी रखने की सिफारिश की गयी।	**iv.** सामूहिक प्रतिनिधित्व के आधार पर निर्वाचन की सिफारिश की। इसने मुसलमानों के लिये कुछ सीटें आरक्षित करने का भी सुझाव दिया।
v. नागरिकों के लिये मौलिक अधिकारों का कोई उल्लेख नहीं था।	**v.** नागरिकों के लिये मौलिक अधिकारों की सिफारिश की गयी थी।
vi. वयस्क मताधिकार के आधार पर प्रत्यक्ष चुनाव कराने की सिफारिश नहीं की।	**vi.** वयस्क मताधिकार के आधार पर प्रत्यक्ष चुनाव कराने की सिफारिश की गयी।
vii. भारत के लिये प्रतिरक्षों समिति, संघ लोक सेवा आयोग तथा उच्चतम न्यायालय इत्यादि स्थापना का कोई उल्लेख नही था।	

Part II

18. स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड योजना क्या हैं ?

उत्तरः– राष्ट्रीय बैंक द्वारा प्रायोजित स्वरोजगार क्रेडिट कार्ड योजना के तहत गैर कृषि समितियों हेतु 50000 तक के ऋण दिये जाते हैं।

19. हाल ही में श्रम सुधारों (Labour Reform) से संबंधित क्या प्रयास किये जा रहे हैं ?

☞ श्रमेव जयते योजना, श्रम सुविधा पोर्टल, सार्वभोमिक खाता नम्बर, नेशनल करियर सर्विस पोर्टल का प्रारंभ।

☞ चार श्रम संहिताओं (मजदूरी, सुरक्षा व कार्यदशाएँ, औद्योगिक संबंध व सामाजिक सुरक्षा-कल्याण) को युक्तिसंगत बनाने की कार्यवाही जारी।

20. 'नभ-निर्माण' संबंधित हैं ?

उत्तरः–नभ-निर्माण पहल के तहत प्रतिवर्ष एक अरब उड़ानों को संभालने में सक्षम हवाई अड्डो की क्षमता का पाँच गुने से अधिक विस्तार करने का प्रस्ताव किया गया हैं।

21. खुले बाजार की क्रिया (Oper Market Operetion) से क्या तात्पर्य हैं ?

उत्तरः–खुले बाजार की क्रिया के अन्तर्गत भारतीय रिजर्व बैंक खुले बाजार में सरकारी प्रतिभूतियों, ट्रेजरी बिल्स व अन्य स्वीकृत विपत्रों का क्रय विक्रय कर तरलता को नियंत्रित करता हैं।

22. जी.एस.टी के संदर्भ में थ्रेसोल्ड सीमा से क्या आशय हैं?

उत्तरः–यह वह सीमा हे जिससे अधिक मूल्य के व्यवसाय के बाद वह व्यवसाय जी.एस.टी. के दायरे में सम्मिलित हो जाता है। सामान्य राज्यों में यह सीमा 20 लाख व पूर्वोत्तर राज्यों में 10 लाख हैं।

23. संघर्षात्मक/घर्षणात्मक बेरोजगारी से क्या तात्पर्य हैं ?

उत्तरः–यह बेरोजगारी उस समय विशेष के दौरान उत्पन्न होती है जब श्रमिक एक उत्पादन प्रक्रिया से दूसरी प्रक्रिया की ओर गतिशील होते हैं।

24. राजस्थान में सहकारिता की स्थिति संक्षेप में स्पष्ट कीजिए ?

उत्तरः– राजस्थान में शीर्ष स्तर पर 29 केन्द्रीय सहकारी बैंक, 36 प्राथमिक भूमि विकास बैंक, 21 दुग्ध संघ व लगभग 35 हजार सहकारी समितियाँ हैं।

25. क्रियात्मक घाटा (Operational Defict) किसे कहते हैं ?

उत्तरः–इसे स्फिति समायोजित राजकोषीय घाटा भी कहा जाता है। यदि राजकोषीय घाटे में से मुद्रास्फिति का प्रभाव समाप्त कर दिया जाये तो क्रियात्मक घाटा प्राप्त होता हैं।

26. "साख नियंत्रण के गुणात्मक (Qualitative) उपाय मुद्रा एवं तरलता के प्रवाह को अधिक प्रभाव पूर्व ढंग से नियंत्रित करते हैं।" टिप्पणी कीजिए?

उत्तरः–साख नियंत्रण के गुणात्मक उपाय जैसे चयनात्मक साख नियंत्रण, साख की राशनिंग, नैतिक प्रभाव, सीमान्त आवश्यकता इत्यादि साख के प्रवाह को विशेष क्षेत्रों में घटाने या बढ़ाने पर आधारित हैं। इस प्रकार ये उपकरण साख को किसी विशेष उपयोग में दिशा प्रदान करते हैं व कम आवश्यकता या प्रतिफल दर वाले क्षेत्रों में मुद्रा प्रवाह को रोकते हैं। अतः गुणात्मक उपाय मुद्रा व तरलता के प्रवाह को अधिक प्रभापूर्ण ढंग से नियंत्रित करते हैं।

27. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोश (IMF) के सदस्यों द्वारा इसकी आलोचना किये जाने के क्या कारण हैं ?

सदस्य देशों द्वारा निम्नलिखित आधारों पर आलोचना–

- ☞ संयुक्त राज्य अमेरिका का अप्रत्यक्ष वीटो।
- ☞ प्रबंध निदेशक की नियुक्ति पश्चिमी युरोपीय देशों से ही की जाती हैं।
- ☞ सन् 2008–09 की वैश्विक मंदी का अनुमान न लगा पाना
- ☞ शतविलियों की अत्यधिक संख्या
- ☞ भारतव अन्य विकासशील देशों का उनकी अर्थव्यवस्था की तुलना में कम प्रभुत्व।

28. मुद्रा स्वास्थ्य कार्ड योजना का विवरण दीजिए ?

उत्तरः–फरवरी 2015 में सूरतगढ़ (राज.) से प्रारंभ इस योजना का उद्देश्य कृषकों को उसके खेत की मिट्टी में उपस्थित पोषक तत्वों की जानकारी देना हैं। इस योजना के तहत 12 मापदण्डों पर मिट्टी की गुणवत्ता परखी जाती है एवं कृषक को प्रत्येक तीन वर्ष में मृदा स्वास्थ्य कार्ड जारी किया जाता है। इसकी सहायता से कृषक अपने खेत के अनुसार फसल, उर्वरक, सिंचाई पद्धति इत्यादि का वैज्ञानिक चयन कर अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकता हैं।

29. आधार प्रभाव से क्या तात्पर्य हैं ? वर्तमान में आधार परिवर्तन के कारण विकास दर के आकड़े के संबंध में क्या विवाद हैं ?

उत्तरः– भिन्न सूचंकाको की गणना के लिए सर्वप्रथम एक आधारवर्ष निश्चित किया जाता है जिसका मान 100 के बराबर माना जाता है, तत्पश्चात् प्रत्येक वर्ष के सूचकांक की गणना पिछले वर्ष की तुलना मे औसत वृद्धि/कमी द्वारा ज्ञात की जाती हैं। आकड़े पर इस कारण पूर्ववर्ती सूचकांकों का जो प्रभाव होता है उसे आधार प्रभाव कहते हैं। 2015 में जी.डी.पी. परिवर्तन विकास दर के मापन का आधार वर्ष 2004–05 से बदल कर 2011–12 किया गया था व आंकड़ों के स्त्रोत भी बदले गये, इसमें कॉरपोरेट क्षेत्र के आंकड़े की हिस्सेदारी बढ़ी। 2011–12 से पूर्व के आंकड़ो को ज्ञात करने के लिए बेक सीरीज के आंकडों की हाल ही में गणना की गई। इन आंकड़ो में पूर्व सरकार के कार्यकाल में तुलनात्मक रूप से कमी प्रदर्शित हुई, जबकि राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग द्वारा जारी किये गये आंकड़ो में पूर्व सरकार की स्थिति बेहतर थी। इस कारण इन आकड़ों का विपक्ष द्वारा विरोध किया जा रहा है।

30. "भारत व विश्व बैंक समूह" अन्तर्संबंधों का उल्लेख कीजिए ?

उत्तरः-भारत विश्व बैंक समूह की पाँच संस्थाओं में से निवेश विवादों के समाधान के लिए अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र को छोड़कर शेष संस्थाओं का सदस्य हैं। भारत आई.बी.आर.डी. एवं आई.डी.ए. से ऋण प्राप्त करता हे। 1948 में प्रथम बार भारत की कृषि मशीनरी परियोजना के लिए ऋण की मंजूरी प्रदान की गई। आई.बी.आर.डी. द्वारा 1950 में भारत को आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से सहयोगी देशों का 'भारत सहायता क्लब' का गठन किया गया।इसे वर्तमान में भारत विकास फोरम के नाम से जाना जाता हैं। भारत के अवसंरचनात्मक विकास में विश्व बैंक का महत्वपूर्ण योगदान है, यह इस तथ्य से सत्यापित होता है कि भारत विश्व बैंक समूह से सर्वाधिक ऋण प्राप्त करने वाला देश हैं। विश्व बैंक से परिवहन, संचार, शिक्षा, जलापूर्ति, जनसख्या संबंधी योजनाओं मे दीर्घकालिक ऋण प्राप्त किया जा रहा है। भारत इसका 7वॉ बड़ा शेयर धारक देश हैं।

31. मुद्रा की पूर्ण परिवर्तनीयता का क्या अर्थ हैं ? भारत में पूंजी खाते के संदर्भ में मुद्रा को पूर्ण परिवर्तनीय न बनाने के क्या कारण हैं?

उत्तरः-मुद्रा की पूर्ण परिवर्तनीयता एक ऐसा गुण है जिसके माध्यम से मुद्रा को कीमत के अन्य तरल माध्यमों में परिवर्तित किया जा सकता हैं अर्थात् विदेशी मुद्रा व घरेलू मुद्रा के आवागमन को पूर्णत स्वतंत्र बना देना ही पूर्ण परिवर्तनीयता कहलाती है जिसका आधार विनिमय आधारित बाजार दर हो। भारत में चालु खाते को पूर्णतः परिवर्तनीय बना दिया गया हैं, किन्तु पूंजी खाते को आंशिक रूप से ही परिवर्तनीय घोषित किया है, जिसके निम्न कारण हो सकते हैं-

- ☞ भारत में आधारभूत संरचना का अभाव है, अतः भारतीय पूंजी के विदेश में पलायन की आशंका।
- ☞ तारापोर समिति के अनुसार इसके पूर्व राजकोषीय घाटे को जी.डी.पी. के 3% व मुद्रास्फिति को 5% रखने का सुझाव दिया जो लक्ष्य अब तक प्राप्त नहीं किया जा सका हैं।
- ☞ मैक्सिको संकट (1994), द.पू. एशियाई संकट (1997) व अर्जेंटीना संकट (2000) से भारत ने सबक लिया।
- ☞ वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के दौर के कारण भारत ने अब तक यह कदम नहीं उठाया।

Part III

32. विनियामक लेखा परीक्षा (Regulatory audit) से क्या तात्पर्य हैं ?

उत्तरः-इस लेखा परीक्षा मे विनियामकों की अनुपालना सुनिश्चित करने हेतु जॉच की जाती हैं व सुनिश्चित किया जाता है कि व्यय के मदो का आधार प्रामाणिक हैं या नहीं।

33. समाज को परिभाषित कीजिए ?

उत्तरः- अमूर्त व परिवर्तनशील सामाजिक संबंधों की निश्चित व्यवस्था समाज कहलाती हैं। यह औपचारिक संबंध का इस प्रकार का योग है जिसमें सहयोग देने वाले व्यक्ति एक-दूसरे से संबंधित रहते हैं।

34. लेखांकन (Accounting) का महत्व बताइयें ?

- **i.** संगठन में उत्तरदायित्व का विकास।
- **ii.** बजट अनुसार गतिविधियों को सुनिश्चित करने में सहायक।
- **iii.** लेखा परीक्षण के लिए आधार का निर्माण।

35. संचार की बाधाओं के संदर्भ में फिल्टरिंग क्या हैं?

उत्तरः-पदसौपरनिक संगठन में प्रत्येक स्तर पर सूचनाओं में परिवर्तन से संचार प्रक्रिया में उत्पन्न होने वाली बाधा फिल्टरिंग कहलाती हैं।

36. मीणा जनजाति के द्वारा पूंजी जाने वाली किन्हीं चार देवियों के उदारहण दीजिए ?

उत्तरः-जीण माता - सीकर, शीतला माता - चाकसू, केला देवी - करौली, चौथ माता - सवाई माधोपुर

37. धर्म निपेक्षता से संबंधित संविधानिक संदर्भ का उल्लेख करें ?

- ☞ प्रस्तावना
- ☞ अनुच्छेद 14, 15, 16 (समानता का अधिकार)
- ☞ अनुच्छेद 25, 26, 27, 28 (धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार)
- ☞ अनुच्छेद 30

38. सामाजिक मूल्यों की दो विशेषताएँ लिखिए ?

☞ सामाजिक मूल्य सामुहिक होते हैं, सामाजिक अन्तः क्रिया द्वारा निर्मित।

☞ सामाजिक मूल्य सामाजिक मानक होते हैं।

39. लक्ष्य सिद्धांत (Path Goal Theory) के अनुसार नेतृत्व की शैलियों की उपयुक्तता का एक-एक उदारहण दीजिए?

i. निर्देशन शैली - जब कार्य परिभाषित न हो।

ii. सहयोगात्मक शैली - दैनिक प्रकृति के कार्यों में।

iii. उपलब्धि शेली - महात्वाकांक्षी अधीनस्थ होने पर।

iv. भागीदारी शैली - परिवर्तन के समय।

40. कन्सेन्सस मेपिंग (Concensus Makking) की प्रक्रिया संक्षेप में समझाइयें ?

उत्तरः-एक समूह को छोटे उपसमूहों में विभाजित कर निर्णय हेतु कहा जाता है व चर्चा के पश्चात् ऐसे विकल्प को चुना जाता है जिस पर सर्वमत हो।

41. परिणाम (Outcome) बजट की प्रममुख विशेषताएँ लिखिए ?

☞ प्रत्येक विभाग के उद्देश्यों को जाँच योग्य बनाया जाता है ताकि वास्तविक परिणामों की प्राप्ति सुनिश्चित की जा सके।

☞ मदों के आधार पर किये जाने वाले लेखांकन को इस प्रकार परिवर्तित किया जाता है कि परिणामों की जाँच की जा सके।

42. लघुकालिक वित्त के स्त्रोतों का संक्षेप में वर्णन करें ?

i. व्यापारिक साख - दीर्घकालिक व्यापारिक व्यवहार के परिणाम स्वरूप आपूर्तिकर्त्ता द्वारा साख पर माल देना।

ii. अधिविकर्ष - चालू खाताधारियों को जमा राशि से एक सीमा तक अधिक राशि निकालने की सुविधा से वित्त प्राप्त करना।

iii. साख पत्र-बैंको द्वारा जारी पत्र (वस्तु/कच्चे माल की जोखिम के संदर्भ में)

iv. विनिमय पत्र-क्रेता व विक्रेता के मध्य भुगतान व वैकल्पिक तरीका, इसके देय तिथि लिखी होती हैं।

v. हुण्डी मध्यकालीन भारत में व्यापारियों को कच्चे माल के बदले हुण्डी उपलब्ध करवाई जाती थी।

43. बजटीय नियंत्रण से क्या आशय हैं ? मास्टर बजट किसे कहते हैं।

उत्तरः-बजटीय नियंत्रण बजट अनुमानों व वास्तविक परिणामों में तुलना कर बजट की अनुपालना सुनिश्चत करने की प्रक्रिया हैं। इसमें योजना निर्माण, समन्वय, लेखा प्रक्रिया, कठिनाइयों पर विचार-विमर्श, साधनों का मितव्ययी उपयोग एवं नियंत्रण, विचलनों का विश्लेषण, सुधारात्मक उपाय व उपलब्धियों की पुष्टि के चरण सम्मिलित हैं। मास्टर बजट का आशय संस्था के लिए बनाये गये विभिन्न बजटों को समन्वित कर बनाये जाने वाले वृहद बजट से हैं।

44. भारत में वर्ग (Class) व्यवस्था के उदय पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ?

उत्तरः-मुगलकाल से ही जातीय प्रतिबन्ध शिथिल होने लगे तत्पश्चात् ब्रिटिशकाल औपनिवेशिक काल में जाति एवं व्यवसाय, कृषि व उद्योग के मध्य परस्पर संबंधों में विकृति उत्पन्न हुई एवं नवीन राजस्व प्रणाली नें नये वर्गों को जन्म दिया। प्रारंभ में उच्च जातियाँ-उच्च वर्ग, मध्यम जातियाँ-मध्यम वर्ग एवं निम्न जातियाँ जातियाँ-निम्न वर्ग में रूपान्तरित हुई। औद्योगिकीकरण, नगरीयकरण व व्यावसायिक विभेदता के कारण जाति-व्यवसाय एवं वर्ग-व्यवसाय का निश्चित संबंध टूट गया। भारत में नवीन वर्ग व्यवस्था का उदय जारी हैं।

45. पूंजी की भारित औसत लागत (Weighted) की गणना क्यों की जाती हैं?

उत्तरः-व्यवसाय में भिन्न पूँजी स्त्रोतों की लागत भिन्न होती हैं, इस कारण समस्त पूंजी साधनों की समग्र लागत ज्ञात करने हेतु भारित औसत लागत ज्ञात की जाती हैं। यह विधि श्रेष्ठ परियोजना के चयन व अनुकूलत्तम पूंजी मिश्रण ज्ञात करने में अधिक प्रभावी होती हैं। सरल व स्पष्ट विधि होने के साथ-साथ यह संस्था के प्रत्याय दर ज्ञात करने में महत्वपूर्ण हैं।

46. संगठन में संचार का महत्व बताइयें स्पष्ट कीजिए ?

☞ संगठनात्मक लक्ष्यों को परिभाषित करने में आवश्यक।

☞ कार्य आवटन हेतु आवश्यक।

☞ कर्मचारियों के लिए अनुकूल व सौहार्दपूर्ण कार्य वातावरण निर्मित करने के लिए आवश्यक।

☞ आदेश देने व प्रतिवेदन की प्रक्रिया का आवश्यक अंग।

☞ कर्मचारियों को अभिप्रेरित करने व संस्था से भावनात्मक जुड़ाव बनाये रखने में सहायक।

47. राजस्थान में जनजातियों की प्रमुख समस्याओं का उल्लेख कीजिए ?

i. **आर्थिक समस्याएँ–** स्थानान्तरित कृषि, भूमि हस्तांतरण, बधुआ मजदूरी व ऋण ग्रस्तता जैसी प्रवृत्तियाँ

ii. **सामाजिक समस्याएँ** – कन्या मूल्य, युवाओं का नशे की ओर आकृष्ट होना, सांस्कृतिक मूल्यों व कलाओं का बाह्य संपर्क से ह्रास।

iii. **धार्मिक समस्याएँ** – धर्मान्तरण, अंधविश्वास इत्यादि समस्याएँ।

iv. स्वास्थ्य व शिक्षा संबंधी बुनियादी सुविधाएँ नहीं।

v. राजनैतिक प्रतिनिधित्व कम।

48. प्रबंधन कला अथवा विज्ञान ?

उत्तरः–प्रबंधन कला भी हैं एवं विज्ञान भी। परिस्थितिजन्य विवेक की आवश्यकता, मानवीय व्यवहारगत संवेदनाओं की उपस्थिति, लचीलेपन के तत्वों के कारण इसे कला माना जा सकता है। इसी प्रकार पूर्व निर्धारित नियमों, प्रक्रियाओं व तकनीकों की अनुपालना संबंधी बाध्यता होने से प्रबंधन विज्ञान का गुणधर्म भी प्रदर्शित करता हैं। अतः प्रबंधन कला व विज्ञान दोनों का समन्वय हैं।

सारथि एकेडमी